संख्या– 15 /VI/2014–71(15)2013

प्रेषक,

डा0 उमाकान्त पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

संस्कृति, धर्मस्व,तीर्थाटन प्रबन्धन एवं धार्मिक मेला अनुभाग देहरादून: दिनांक: 06/01/2015 ~~दिसम्बर 2014~~

विषयः–वित्तीय वर्ष 2014–15 के आय –व्ययक की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1688/सं0नि0उ0/दो–3/ 2014–15 दिनांक 30 अक्टूम्बर 2014, पत्र संख्या 1686/सं0नि0उ0/दो–3/ 2014–15 दिनांक 30 अक्टूम्बर 2014 तथा पत्र संख्या 1687/सं0नि0उ0/दो–3/ 2014–15 दिनांक 30 अक्टूम्बर 2014,के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014–15 में आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत अनुदान संख्या–11 में ₹76.75 लाख,(छिहत्तर लाख पिछत्तर हजार),अनुदान संख्या–30 में ₹17.50 लाख (सत्तरह लाख पचास हजार मात्र) तथा अनुदान संख्या–31 में ₹5.00 लाख (पांच लाख मात्र) अर्थात कुल धनराशि ₹ 99.25 लाख (₹ निन्यान्वे लाख पच्चीस हजार मात्र)की धनराशि निम्न विवरणानुसार आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2– उक्त स्वीकृति निम्नांकित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की गयी है:–

(i) उक्त स्वीकृत धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0–318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18 मार्च, 2014 निहित शर्तो एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(ii) मितव्ययी मदों में व्यय आवंटित सीमा तक ही सीमित रखा जाय। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

(iii) व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय–समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

...2

3– उक्त धनराशि का भुगतान वास्तविक व्यय एवं संगत वित्तीय मानकों के प्राविधानानुसार ही किया जायेगा।

4– व्यय के सम्बन्ध में समय–समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

5– इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014–15 के आय–व्ययक में अनुदान संख्या–11,30 व 31 लेखाशीर्षक–2205– के अनुसार संगत मानक मदों के संलग्न विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष से वहन किया जायेगा।

भवदीय,

(डॉ0 उमाकान्त पंवार)
सचिव

06/01/2015

पृष्ठांकन संख्या– 15 (1)/VI/2014–71(15)2013तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2– निजी सचिव, मा0 संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3– वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
4– वित्त अनुभाग–3, उत्तराखण्ड शासन।
5– बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
6– एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
7– गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(प्रकाश चन्द्र भट्ट)
उप सचिव।

(क) अनुदान संख्या–11 लेखाशीर्षक–2205–कला एवं संस्कृति–00–102–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन–00–आयोजनागत

(धनराशि हजार ₹ में)

क्र. स.	मानक मद का नाम	वित्तीय वर्ष 2014–15 हेतु स्वीकृत धनराशि
1.	03– स्वायत्तशासी संस्थओं को अनुदान 20– सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	2000
2.	33–लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता 20– सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	750
3.	34– धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता–00 20– सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	200
4.	35– मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता–00 20– सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	2500
	योग–	7675

(ब) अनुदान संख्या–30 लेखाशीर्षक–2205–कला एवं संस्कृति–00–102–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन–02–अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान–आयोजनागत

(धनराशि हजार ₹ में)

क्र. स.	मानक मद का नाम	वित्तीय वर्ष 2014–15 हेतु स्वीकृत धनराशि
1.	0201–लोक संगीत एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेन्टेशन का कार्य 20– सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	750
2.	0203–अ0जा0 के व्यक्तियों के लिए पारम्परिक वाद्ययन्त्रों एवं वेशभूषा का क्रय 20– सहायक अनुदान /अंशदान /राज सहायता	1000
	योग–	1750

(ड.) अनुदान संख्या–31 लेखाशीर्षक–2205–कला एवं संस्कृति–00–796–जनजातीय क्षेत्र उपयोजना–00–आयोजनागत

(धनराशि हजार ₹ में)

क्र. स.	मानक मद का नाम	वित्तीय वर्ष 2014–15 हेतु स्वीकृत धनराशि
1.	02–जनजातीय कला एवं संस्कृति का अभिलेखन,संरक्षण तथा उन्नयन हेतु योजना 20– सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	500
	योग–	500

(प्रकाश चन्द्र भट्ट)
उप सचिव